एक नजर में

महाविद्यालय में मनाया होली मिलन समारोह

बैतूल। हमारे पारंपरिक होली के त्यौहार को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप में मनाने का संदेश देते हुए नटराज नृत्य एवं संगीत महाविद्यालय, बैतूल में होली मिलन समारोह फूलों और गुलाल के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को होली के सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराते हुए रासायनिक रंगों से दूर रहने की प्रेरणा देना रहा। कार्यक्रम में सभी बच्चों और उनके अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति रही। फूलों और गुलाल से सभी ने मिलकर आनंदपूर्वक होली खेली। पूरे परिसर में पारंपरिक रंगों, उमंग और सौहार्द का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शीतल निरापुरे मैडम, माला मैडम, मधुबाला देशमुख मैडम, रामविजय सर, सरिता मैडम, मिशिता, लाव्या, ग्रीष्मा, दिव्यांशी, विद्या, राजकुमार, अविका सोनी तथा शिरीष सर ने उल्लास के साथ किया। पूरी टीम ने बच्चों को होली के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य दुर्गेश निरापुरे ने सभी को सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल होली खेलने की सीख दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रासायनिक रंगों का उपयोग स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है, इसलिए प्राकृतिक रंगों और फूलों से ही होली मनाई जाए। अभिभावकों और बच्चों ने मिलकर आयोजन का भरपूर आनंद लिया। पारंपरिक तरीके से मनाए गए इस होली मिलन ने बच्चों को जहां उत्साह से भर दिया, वहीं उन्हें सुरक्षित, प्राकृतिक और जिम्मेदार होली मनाने का संदेश भी दिया।

महिला आईटीआई में भाषण प्रतियोगिता

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, मध्यवर्ती क्षेत्र (भारत सरकार परमाणु ऊर्जा विभाग) के तत्वावधान में वुमेन इन साइंस विकसित भारत विषय पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार की भावना तथा राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम परमाणु उर्जा विभाग के वैज्ञानिक अधिकारी विजय कुमार, प्रकाश बेदिया, प्रकाश मुखर्जी, स्मृति रंजन साहू, सतीश चैन्नमशेट्टी एवं संस्था प्राचार्य अजीश पन्द्रे एवं वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी रेवाशंकर पंडाग्रे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संस्था प्राचार्य अजीश पन्द्रे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वैज्ञानिक अधिकारी श्री विजय कुमार ने छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने, अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने तथा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि आज महिलाएं परमाणु विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही है। श्री प्रकाश बेदिया ने बताया कि आज महिलाएं वैज्ञानिक प्रोफेसर, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं रिसर्च हेड के रूप में नेतृत्व कर रही है। चाहे अंतरिक्ष विज्ञान हो, चाहे मिसाइल या रक्षा विज्ञान हो, चाहे चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी का क्षेत्र हो महिलाओं की सक्रिय भूमिका बढ़ते जा रही है। विकसित भारत की संकल्पना साकार करने के लिए आवश्यक है कि बेटियों को स्टेम (साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एवं मैथ्स) शिक्षा से जोड़ना होगा, तो निश्चित ही भारत विश्व में ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करेगा।

डिजिटल होगी जनगणना, आबादी 20 लाख पार होने का अनुमान

नवभारत न्यूज

बैतूल, 25 फरवरी. जनगणना की तैयारी शुरू हो गई है। पहली बार ये काम कागजों के बजाय मोबाइल एप से होगा यानि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। जाति आधारित आंकड़े भी जुटाए जाएंगे।

प्रगणक मोबाइल डिवाइस के जरिए एकत्रित करेंगे डेटा

2011 में जिले की आबादी थी 15 लाख के पार

2011 में हुई जनगणना में जिले की आबादी 15 लाख 75 हजार से अधिक थी। करीब 15 साल अंतराल के बाद हो रही जनगणना में जिले की आबादी 20 लाख पहुंचने का अनुमान है। बता दे कि इस साल जनगणना का महत्वपूर्ण कार्य होना है। मध्यप्रदेश राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई तक पूर्ण किया जायेगा। जिसकी अधिसूचना मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजपत्र में जारी की जा चुकी है। वैसे जनगणना 2 चरणों में होगी। लोग चाहे तो जनगणना से संबंधित जानकारियां स्वयं भी एप के जरिए ऑनलाइन दे सकते हैं। जनगणना के दौरान प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा घर-घर पहुंचकर मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य किया जायेगा। हालांकि जनगणना के लिए अधिकारी, कर्मचारियों को दायित्व सौंपे जा चुके है। पूरी प्लानिंग हो चुकी है। शासन की मंशानुसार जनगणना का काम होगा और चरण बद्ध तरीके से काम को अंजाम दिया जाएगा।

8वीं बार जनगणना, दो चरणों में होगा काम : बताया जा

रहा है कि यह आठवीं जनगणना होगी। इस बार जनगणना डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल एप से डाटा संकलन किया जाएगा। पूर्व की जनगणना की भांति ही इस जनगणना का कार्य दो चरणों में काम होगा। बताया जा रहा है कि प्रगणक 10 से 15 मिनट की चर्चा करेगे। इसमें मुख्य रूप से पहली बार जाति से जुड़ी जानकारी भी ली जाएगी। परिवार के सदस्यों के नाम, उम्र, भाषा और शिक्षा का ब्यौरा लिया जायेगा। जानकारी फॉर्म के साथ-साथ एप में तुरंत फीड की जाएगी, जिसकी मॉनीटरिंग सीएमएस पोर्टल से होगी।

जिला जनगणना समन्वय समिति गठित : जनगणना 2027 से संबंधित गतिविधियों के सफल संचालन एवं सतत पर्यवेक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी समिति के अध्यक्ष रहेंगे, वहीं जिला जनगणना अधिकारी को समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति में अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी डीपीओ/डीएसओ, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह समिति जिले में जनगणना 2027 से जुड़ी सभी गतिविधियों की निगरानी, विभागीय समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी, जिससे जनगणना कार्य समयबद्ध एवं सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

ऐसे समझिए हर बार कैसे बढ़ रही जनसंख्या

जानकारी के अनुसार बैतूल जिला जनगणना-2011 पर एक नजर डाली जाये तो बैतूल जिला पोर्टल के अनुसार 2011 में वास्तविक जनसंख्या 15,75, 247 थी। जिसमें पुरूष जनसंख्या 799721 और महिला जनसंख्या 775526 थी। जनसंख्या वृद्धि 12 .91 प्रतिशत दर्ज है। वहीं 2011 के अनुसार बैतूल जिले का लिंगानुपात 971 है। अब 15 साल बाद जनगणना का कार्य हो रहा है, ऐसे में जनसंख्या जिले की जनसंख्या करीब 20 लाख से ऊपर पहुंचने का अनुमान है। क्योंकि कई लोग बैतूल में आकर बस गये है। जिससे जनसंख्या में वृद्धि होने का अनुमान है।

जनगणना के दौरान पूछे जाएंगे यह सवाल

जनगणना के पहले चरण में हर घर से 33 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें भवन नंबर (नगर या स्थानीय प्राधिकरण अथवा जनगणना नंबर), जनगणना मकान नंबर, फर्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, दीवार में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, छत में प्रयुक्त सामग्री, मकान के उपयोग, मकान की हालत, परिवार क्रमांक, परिवार में सामान्यतः रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, मुखिया का लिंग, क्यापरिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य से संबंधित है, मकान के स्वामित्व की स्थिति, परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपतियों की संख्या, पेयजल का मुख्य स्रोत, पेयजल स्रोत की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, शौचालय की सुलभता, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकासी, स्नानगृह की उपलब्धता, रसोई घर और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, खाना पकाने के लिए प्रयुक्त मुख्य ईंधन, रेडियो/ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा, लैपटॉप/कम्प्यूटर, टेलीफोन/मोबाइल फोन/स्मार्ट फोन, साइकिल/ स्कूटर/मोटर साइकिल/मोपेड, कार/जीप/वैन, परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाले मुख्य अनाज और मोबाइल नंबर आदि शामिल हैं।

लूट की तीन वारदातों का खुलासा, चार नाबालिग गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने लूट की तीन अलग-अलग वारदातों का खुलासा करते हुए 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल से घूम-घूमकर राह चलते व्यक्तियों से मोबाइल फोन, नकदी एवं वाहन छीनने की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों से लूट में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल (एचएफ डीलक्स), 05 मोबाइल फोन एवं नकद राशि बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में से 2 के विरुद्ध पूर्व में हत्या का अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 20 जनवरी 2026 को अथर्व दुबे की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल एवं मोबाइल लक्की ढाबा के पास शाम लगभग 5.16 बजे छीना गया। 30 जनवरी को फुलेसिंह की मोटरसाइकिल, मोबाइल एवं 150 रुपये हाईवे फोरलेन से शाम लगभग 7बजे लूटे गए। इसी तरह तीसरी घटना 9 फरवरी 2026 को हुई। सुरजू का बैग, जिसमें 5000 रुपये थे, टिगारिया से लापाझिरी मार्ग पर छीना लिये थे। पुलिस ने इन अलग-अलग वारदातों का खुलासा करते हुए 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। उक्त कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं एसडीओपी श्री सुनील लाटा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। संपूर्ण कार्यवाही में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में उप निरीक्षक उत्तम मस्तकार, उप निरीक्षक वसंत अहाके, प्रधान आरक्षक शिव उईके, प्रधान आरक्षक तरुण पटेल, आरक्षक अनिरुद्ध यादव, आरक्षक नितिन चौहान, आरक्षक दीपेन्द्र सिंह एवं आरक्षक राजेंद्र धाड़से की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने चोरी गया ट्रेक्टर-ट्रॉली किया बरामद

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने चोरी गए ट्रेक्टर-ट्रॉली को बरामद किया है। 21 फरवरी को शिवराज सिंह परमार द्वारा अपना महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर (मॉडल अर्जुन नोवो 605 डीआई) फारेस्ट नाका के पास स्थित खेत में खड़ा किया गया था।

22 फरवरी को उक्त ट्रेक्टर मौके से गायब पाया गया। इस संबंध में थाना कोतवाली में धारा 305(बी) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर अज्ञात आरोपी एवं ट्रेक्टर-ट्रॉली की तलाश की गई। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करते हुए ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस टीम आठवा मील पाढर रोड क्षेत्र में पहुँची। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर ट्रॉली सहित बाँसपुर से उमरवानी की ओर जाते देखा गया है। सूचना के आधार पर क्षेत्र में सघन सर्चिंग की गई, जिसके दौरान ट्रेक्टर-ट्रॉली जंगल क्षेत्र में परित्यक्त अवस्था में मिला। पुलिस द्वारा विधिवत जप्ती कार्यवाही की गई।

बरामद ट्रेक्टर की अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख रुपये है। ट्रॉली पुरानी अवस्था की है, जिस पर सफेद पेंट से राजपुत कृषि फार्म रातामाटी अंकित है। उक्त कार्रवाई थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यवाही में उप निरीक्षक राकेश कुमार सरयाम, उप निरीक्षक छत्रपाल धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक जगदीश रैकवार, सहायक उप निरीक्षक प्रवीण पचौरी, प्रधान आरक्षक नानक राम, आरक्षक दिनेश धुर्वे एवं आरक्षक ओमकार की सराहनीय भूमिका रही। प्रकरण में संलिप्त अज्ञात संदेही की तलाश जारी है तथा विवेचना प्रचलित है।

लंबित प्रकरणों की संभागायुक्त श्री तिवारी ने की समीक्षा

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत पुलिस थानों में दर्ज प्रकरणों की संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, मुख्य वन संरक्षक मधु वी. राज, वन संरक्षक अशोक कुमार, कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन, कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक हरदा, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, डीएफओ नवीन गर्ग, डीएफओ लक्ष्मीकांत वासनिक सहित बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम जिलों के जिला पंचायत सीईओ, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभागायुक्त श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि जाति प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज विवेचनाधीन प्रकरण लंबित न रहें। उन्होंने ऐसे मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वाहन ने मारी टक्कर, बैंक कर्मचारी की मौत

बैतूल। मंगलवार शाम सड़क हादसे में निजी बैंक के कर्मचारी 32 वर्षीय आशीष रावन्दे की मौत हो गई। चिचोली से बाइक से अपने गांव धामोरी लौटते समय अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी थी।

गंभीर हालत में उन्हें बैतूल से भोपाल एम्स रेफर किया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, आशीष मंगलवार शाम चिचोली से अपनी बाइक पर सवार होकर गृहग्राम धामोरी लौट रहे थे। इसी दौरान हिवरखेड़ी के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों ने खून से लथपथ आशीष को सड़क पर देखा और तत्काल एंबुलेंस बुलाकर बैतूल जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के

पुलिस अज्ञात वाहन की कर रही तलाश

युवक की 15 दिन पहले हुई थी सगाई

बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें देर रात भोपाल रेफर कर दिया, लेकिन भोपाल एम्स पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना के बाद से मृतक के परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने बताया कि आशीष चिचोली स्थित यस बैंक में रिकवरी ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। महज 15 दिन पहले ही भोगी टेढा गांव में उनकी सगाई हुई थी। घर में नई बहू के आने और शादी की खुशियों को लेकर दोनों परिवार तैयारियों में लगे हुए थे, लेकिन इस हादसे ने पल भर में सारी खुशियां छीन लीं। बुधवार को भोपाल एम्स से शव वापस बैतूल जिला अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

पूजा कर 50 किन्नरों को हिन्दू धर्म में किया शामिल

मुलताई। पवित्र नगरी में बुधवार को 50 से अधिक किन्नरो द्वारा वैदिक विधि विधान से ताप्ती सरोवर में स्नान कर पट्टा अभिषेक, मुलताई क्षेत्र की खुशहाली के लिए हवन पूजन कर राधा नायक द्वारा करीब 50 किन्नरो की हिन्दू धर्म में घर वापसी कर अखाडो में शामिल किया गया। बुधवार को नगर के आशीर्वाद लान में किन्नर अखाडे के संस्थापक अजय दास महाराज श्री जगतगुरु काजल ठाकुर, जगतगुरु संजना मां, मण्डलेशर नकुशा माँ ने ताप्ती तट पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर कई किन्नरो की घर वापसी

कराई जिसके बाद सभी लोग अखाड़ों में ढोल बाजो के साथ मा ताप्ती के प्राचीन मन्दिर और माँ काली के मंदिर पहुचे एवं घंटा चढाकर पूजन किया गया। इस अवसर पर भगवा पार्टी, राष्ट्रीय हिन्दू सेना, गौ क्रांति दल एवं हिन्दू संगठन के लोग उपस्थित रहे।

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

बैतूल। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में बैतूल में संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, मुख्य वन संरक्षक मधु वी. राज, वन संरक्षक अशोक कुमार, कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन, पुलिस अधीक्षक हरदा, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, डीएफओ नवीन गर्ग, डीएफओ लक्ष्मीकांत वासनिक सहित बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम जिलों के जिला पंचायत सीईओ तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभागायुक्त श्री तिवारी ने संभाग के तीनों जिलों में राहवीर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता मिल सके तथा जीवन बचाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहन प्राप्त हो। कैशलेश स्कीम और राहत योजना पर विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दिया ज्ञान उन्होंने कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि ऐसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों की पहचान कर जोनल प्लान तैयार करें, जहां आपातकालीन वाहनों के आवागमन में बाधा आती है। बैठक में तीनों जिलों में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स तथा सुधारात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि ब्लैक स्पॉट्स पर दीर्घकालिक सुधार एवं आवश्यकतानुसार रिमूवल कार्य किया जाए। संबंधित सड़क निर्माण विभाग आवश्यक प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव शासन को प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि प्रमुख सड़कों से जुड़ने वाली गौण सड़कों के जंक्शनों पर सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुधार एवं मरम्मत कार्य किए जाएं।

लाखों खर्च कर बनाया गया अंबाडा चेक डेम, पानी नहीं

आमला। आमला जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अंबाडा में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां लाखों रुपये की लागत से बनाए गए दो चेक डैम अपने मूल उद्देश्य को ही पूरा नहीं कर पा रहे हैं। नदी का पानी रोककर जल संरक्षण और ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए गए ये चेक डैम निर्माण के कुछ समय बाद ही लीकेज डैम साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत द्वारा श्मशान घाट के समीप एक चेक डैम और उसी नदी पर कुछ दूरी पर दूसरा चेक डैम बनाया गया। लेकिन हैरानी की बात

यह है कि बरसात के समय भी इन चेक डैम में पानी ठहर नहीं पाता।बताया जा रहा है कि मेन वॉल के नीचे फ्लोर से पानी का तेज सीपेज हो रहा है, जिसके कारण जलभराव संभव ही नहीं हो पा रहा। परिणामस्वरूप, जल संरक्षण का पूरा उद्देश्य ही विफल हो गया है और ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि चेक डैम की मुख्य दीवार में जगह-जगह दरारें नजर आ रही हैं और हनिकुंभ (हनीकॉम्बिंग) बाहर दिखाई दे रही है। यह स्थिति निर्माण कार्य की गंभीर खामियों की ओर इशारा करती है। निर्माण कार्य में नियमानुसार 20 एमएम गिट्टी का उपयोग होना चाहिए था, लेकिन मौके की तस्वीरों में बड़े आकार की गिट्टी और घटिया मसाले का उपयोग स्पष्ट दिखाई दे रहा है। इससे यह आशंका और गहरा जाती है कि निर्माण में तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई है।इंजीनियर, सरपंच और सचिव पर सवाल ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में बड़े स्तर पर धांधली की गई है। इंजीनियर, सरपंच और सचिव की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सवाल यह उठ रहा है कि जब तकनीकी स्वीकृति और निरीक्षण की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की थी, तो इतनी बड़ी खामियां कैसे रह गईं।

लाखों खर्च, फायदा शून्य : सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद जल संरक्षण का उद्देश्य ही पूरा नहीं हो रहा। यह सीधे-सीधे सार्वजनिक धन की बर्बादी है। ग्रामीणों ने जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अभियान प्रतिमाह 9 एवं 25 को किया जाता है प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 820 गर्भवती महिलाओं की जांच

बैतूल। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि 25 फरवरी को जिले में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 820 गर्भवती महिलाओं की जाचं एवं 349 हाई रिस्क चिन्हित तथा 75 महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। शिविर में महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई। जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग

चिकित्सक डॉ. भावना कवडकर द्वारा 58 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 14 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना धाकड द्वारा 75 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अम्बेडकर वार्ड शहरी क्षेत्र बैतूल में चिकित्सा अधिकारी डॉ कृष्णा मौसिक द्वारा 74 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 31 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोडाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता कोरी द्वारा 60 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 35 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरिता कालभोर द्वारा 73 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 41 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में चिकित्सक अधिकारी डॉ अश्विन सागरे द्वारा 96 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 26 महिलाएं हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में चिकित्सा अधिकारी डॉ सरस्वती कंगाले मरकाम द्वारा 46 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 20 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ नीलम महाजन द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 20 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में चिकित्सक अधिकारी डॉ सोनाली द्वारा 47 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 25 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में चिकित्सक अधिकारी डॉ माधुरी वहाने द्वारा 76 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 26 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सिविल अस्पताल आमला में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे एवं महिला चिकित्सक डॉ ईवान जेम्स द्वारा 71 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 34 महिलाएं पाई गई।

होम्योपैथिक शिविर में 34 मरीजों को मिला उपचार

बैतूल। भैंसदेही के निकट ग्राम चिचोली में 21 फरवरी को शाम 6 बजे से 8 बजे तक निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से आदिम कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में कुल 34 मरीजों का विस्तृत परीक्षण कर उन्हें आवश्यक होम्योपैथिक दवाइयाँ निःशुल्क प्रदान की गईं। मुख्य चिकित्सक डॉ. मनोज वरवड़े ने सभी मरीजों का व्यक्तिगत रूप से ध्यानपूर्वक परीक्षण किया और उनकी समस्याओं के अनुरूप परामर्श

दिया। शिविर में विशेष रूप से जोड़ों के दर्द, त्वचा रोग, पेट संबंधी समस्याओं और एलर्जी से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया, जिससे ग्रामीणों को काफी राहत मिली। कार्यक्रम की सफलता में महेंद्र खोबरागड़े तथा मनोहर सुजाने का ग्राम स्तर पर उल्लेखनीय सहयोग रहा। रजिस्ट्रेशन एवं समस्त व्यवस्थाए रीना इवने द्वारा कुशलतापूर्वक संभाली गईं, जिससे शिविर सुचारु रूप से संचालित हो सका। आदिम कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने सभी ग्रामवासियों, सहयोगियों, डॉ. मनोज वरवड़े तथा समस्त टीम सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ हर जरूरतमंद तक पहुचाना है। ऐसे शिविरों के माध्यम से समाजसेवा का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।